अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : चतुर्थ – जैन धर्म मध्यमा (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रतिक्रमण की आज्ञा लेने का पाठ है-

(क) इच्छामि णं भंते (ख) इच्छामि ठामि

(ग) आगमे तिविहे (घ) दर्शन सम्यक्त्व ( )

(b) पन्द्रह कर्मादानों का उल्लेख किस व्रत में किया गया है -

(क) पहला (ख) आठवाँ

(ग) सातवाँ (घ) बारहवाँ ( )

(c) चौथा आवश्यक है -

(क) सामायिक (ख) चउवीसत्थव

(ग)प्रतिक्रमण (घ) वंदना ( )

(d) 'भामण्डल' गुण है -

(क) अरिहंत का (ख) सिद्ध का

(ग) आचार्य का (घ) उपाध्याय का ( )

(e) निम्न में से मूल सूत्र है -

(क) आचारांग (ख) चन्दपन्नती

(ग) नन्दी सूत्र (घ) वण्हिदसा ( )

(f) जिस कर्म के प्रभाव से जीव विविध पर्यायों का अनुभव करे, वह है-

(क) ज्ञानावरणीय (ख) गोत्र

(ग) नामकर्म (घ) अन्तरायकर्म ( )

(g) अंगोपांग है -

(क) 06 (ख) 03

(ग) 05 (घ) 08 ( )

(h) असाता वेदनीय कर्म का बंध कितने प्रकार से होता है -

(क) 08 (ख) 12

(ग) 28 (घ) 10 ( )

(i) देवायु बंध का कारण नहीं है-

(क) सराग संयम (ख) अज्ञान तप

(ग) दयावन्त (घ) अकाम निर्जरा ( )

(j) वर्षा ऋतु में गर्म पानी कितने प्रहर तक अचित्त रह पाता है-

(क) तीन प्रहर (ख)चार प्रहर

(ग) पाँच प्रहर (घ) आठ प्रहर ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) ज्ञान के 14 अतिचार होते हैं। ( )

(b) अपनी स्त्री का मर्म प्रकाशित किया हो, यह तीसरे स्थूल का अतिचार है। ( )

(c) बारहवाँ पापस्थान कलह है। ( )

(d) पौषध कम से कम पाँच प्रहर के लिये ग्रहण किया जाता है। ( )

(e) निशीथ सूत्र छेद सूत्रों का एक भेद है। ( )

(f) दर्शन मोहनीय की तीन प्रकृतियाँ हैं। ( )

(g) भगवान शांतिनाथ के धर्मपरिवार में 62,000 साध्वियाँ थीं। ( )

(h) भगवान श्री शांतिनाथजी 16वें तीर्थंकर थे। ( )

(i) 'मेरे अन्तर भया प्रकाश' प्रार्थना के रचयिता आचार्य श्री हस्ती है। ( )

(j) 'रतालू' जमीकंद का एक भेद है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं सम्यक्त्व ग्रहण करने का पाठ हूँ। .....

(b) मैं सातवें व्रत का 26वाँ बोल हूँ। .....

(c) मेरा एक अतिचार कालाइक्कमे है। .....

(d) मैं 36 गुण एवं 8 सम्पदा सहित हूँ। .....

(e) मैं अंतिम आवश्यक हूँ। .....

(f) मेरी उत्कृष्ट स्थिति 70 कोड़ाकोड़ी सागरोपम है। .....

(g) मैं उपयोग का 10वाँ भेद हूँ। .....

(h) मैने राजा मेघरथ के भव में तीर्थंकर गोत्र का उपार्जन किया। .....

(i) मेरा अपर नाम गजेन्द्र भी है। .....

(j) खुले मुहँ बोलने से तथा फूँक मारने से मेरी विराधना होती है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **समकित के कोई दो अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(b) **99 अतिचारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

(c) **तस्स सव्वस्स का पाठ लिखिए।**

.....

.....

(d) **पाँचवें व्रत में श्रावक-श्राविकाएँ किन-किन पदार्थों की मर्यादा रखते हैं ?**

.....

.....

(e) **चार मूल सूत्र के नाम लिखिए।**

.....

.....

(f) **प्रतिक्रमण का मूल उद्देश्य क्या है ?**

.....

.....

(g) **गुणस्थान किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(h) **नोकषाय मोहनीय के भेद लिखिए।**

.....

.....

(i) सातवीं नारकी में उपयोग लिखिए।

.....

.....

(j) माता अचिरादेवी ने अपने पुत्र का नाम शांतिनाथ क्यों रखा ?

.....

.....

(k) भगवान शांतिनाथ को केवल ज्ञान की प्राप्ति कब एवं किस नक्षत्र में हुई ?

.....

.....

(l) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

चारों .....।

.....दूना है।।

(m) नवकारसी लेने का पाठ लिखिए।

.....

.....

(n) पृथ्वीकाय की विराधना कैसे होती है ?

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) आठवें व्रत के प्रमुख आगारों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(b) **पौषध व्रत के पाँच अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **अरिहंत भगवान के 12 गुण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **साधुजी महाराज के 27 गुण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **समुच्चय पच्चक्खाण का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **''जं, ...भणता, गुणता'' उक्त पाठ को पूर्ण करके लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **छेदोपस्थापनीय तथा यथाख्यात चारित्र को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **मोहनीय कर्म बंध के 6 कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **संज्ञा किसे कहते हैं ? संज्ञा के भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **श्रावक का दूसरा मनोरथ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **भगवान शांतिनाथजी के जीवन से मिलने वाली कोई तीन शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

तन .....

.....

.....

.....**नाश।।**

(m) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

बोधि .....

.....

.....

.....रस बरसाओ।।

(n) **तेउकाय की सचित्तता के प्रमाण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....